12.2½ hrs.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (TAMIL NADU), 1975-76

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the State of Tamil Nadu for the year 1975-76.

12.03 hrs.

GENERAL BUDGET, 1976-77—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

MR. SPEAKER: Before I call Shri Mulki Raj Saini, I would like to inform the House that there are a large number of Members who want to speak; so, I would request hon Members to confine themselves to seven or eight minutes.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI C. SUBRAMANIAM): May I know whether the speeches of the Members will finish today? I would request, even if they have to sit late, they may finish their speeches today so that I may reply tomorrow at 12 O'Clock

MR SPEAKER: Is the House willing to sit for half-an-hour more?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K RAGHU RAMAIAH): This may please be decided at the end of the day after seeing how many speakers are there at that time. I will consult the leaders of the Opposition The Minister will speak tomorrow.

श्री मुल्की राज सैनी (देहरादून) : अध्यक्ष जी, बजट मे राजस्व आय 81 अरब 79 करोड की है जिस मे व्यय 76 अरब 90 करोड का है। इस तरह 4 अरब 89 करोड रु० की बचत हो जाती है। परन्तु पूजीगत व्यय 52 अरब 80 करोड है जो कि 44 अरब 24 करोड मे 8 अरब 57 करोड़ अधिक हो जाता है। इस तरह से बजट का घाटा 3 अरब 68 करोड का हो जाता है। नये कर 80 करोड के लगाये गये हैं उस मे से 48 करोड केन्द्र का हिस्सा है। इस तरह से घाटा घट कर 3 अरब 20 करोड रह जाता है। अर्थ-शास्त्रियो की शका है कि यह घाटा काफी बढ़ जायगा। इसलिए वित्त मत्री जी से निवेदन है कि उन्हे सतर्क रहना पड़ेगा। यह बजट ऐसे समय मे पेश किया गया है जब कि मूल्य आश्चर्य-जनक ढग से स्थिर हो गये है। कृषि की उपज ऊचाई पर पहुची है। बिजली, परिवहन, इस्पात, कोयला और कच्चे माल की कमी नही रही है। देश के पास विदेशी सिक्का है और गवर्नमेंट के साधन उत्साहवर्धक है।

1976—77 के बजट म योजना व्यय 78 अरब 52 करोड रु० है जो कि सन् 1975—76 से 31 प्रतिशत अधिक है। विकास व्यय मे अधिकतम राशि रखी गई है जिस मे कृषि, सिचाई, विद्युत्, पट्रोलियम, उर्वरक, इस्पात, परिवहन सचार, पिछडे तथा पहाडी क्षेत्रो के विकास को उत्थान मिलेगा। 20 लाख हैक्टेयर भूमि मे सिचाई होने लगेगी और 24 हजार हैक्टेयर बीहड भूमि कृषि योग्य बनायी जायेगी। 2500 मेगावाट अधिक बिजली पैदा होगी। तेल का उत्पादन 82 लाख टन से बढ़ कर 90 लाख टन हो जायगा। कोयला 900 लाख टन से बढ कर 1,080 लाख टन हो जायगा और उर्वरको म 50 प्रतिशत वृद्धि होगी। इस तरह से बजट बडा आशाप्रद है।

बजट मे उपभोक्ताओ को राहत दी गई है। कपडे धोने का साबुन, नहाने का सस्ता साबुन, डिटरजेंट, स्टेनलेस स्टील ब्लेड, ट्रांजिस्टर, टार्चों मे ड्राई बैटरी सैल टेबिल व पैडस्टल पखे और सस्ती सिगरेटो